Hindi Murli Quiz 11-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **बापदादा बोले कि मेरा हरेक बच्चा भाग्यशाली और सदा सुहागिन है । आज की मुरली में बापदादा ने सच्ची सुहागिनों [बेहद के सुहाग] को उनकी विशेषतायें बतायी हैं, उनका चयन करें ---**

A. ☑ विश्व के परिवर्तन के श्रेष्ठ कार्य वा शुभ कार्य के निमित्त हो ।
B. ☑ आप सदा सुहागिन आत्मायें सदा सर्व खजानों से सम्पन्न हो ।
C. ☑ विश्व आपके जड़ चित्रो को देख खुश होता कि यह पति परमेश्वर की सच्ची पार्वतियाँ हैं ।
D. ☑ आप सब सच्ची सुहागिन विश्व के अन्दर सर्व श्रेष्ठ आत्माएं गाई और पूजी जाती हो ।
E. ☑ सदा दिव्य गुणों के श्रृंगार से सजी सजाई आत्मायें हो ।
F. ☑ आप आत्मायें सदा स्मृति के तिलकधारी और मर्यादाओ के कंगनधारी आत्मायें हो ।

Explanation: सगम-युग के इस श्रेष्ठ वा अविनाशी बेहद के सुहाग की रीति-रसम हद के सुहाग मे भी चलती आ रही है ।

Q.2) **चाहे देश के हो चाहे विदेश के हो, माला तो एक ही है । जो सदा सुहाग और भाग्य के ----------हैं वही विजय माला के भी ----------हैं ।**
[मुरली के अनुसार एक ही सही उत्तर का चयन करें]

A. ○ अधीन
B. ○ निर्माता
C. ◉ अधिकारी
D. ○ विधाता

Q.3) **दादियों से मुलाकात के समय बापदादा बोले- पटरानियाँ तो सब बनती है लेकिन उनमें भी नम्बर है । प्राप्ति मे भी अन्तर है और पूजन में भी अन्तर है । राधे और गोपियों मे भी अन्तर है । राधे की प्राप्ति अपनी, गोपियों की अपनी । कोई विशेषता राधे के पार्ट में है और कोई विशेषता पटरानियो वा गोपियों के पार्ट मे है । इसका भी गुह्य रहस्य है ।**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.4) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़े ----**

	Choice	Match
A	सदा सुहागिन अर्थात्	सदा सम्पन्न, कम्बाइण्ड और सदा हर्षित ।
B	अकेले समझेंगे तो	वियोगी जीवन अनुभव करेंगे ।
C	कम्बाइण्ड समझेगे तो	सदा मिलन महफिल मे अपने को अनुभव करेंगे ।
D	बाबा ने देखा कि सब मर्यादाओं के कंगन से सज रहे हैं,	लेकिन मर्यादा पुरूषोत्तम बनने मे कोई हीरे तुल्य,कोई सोने तुल्य और कोई फिर चाँदी तुल्य बने हैं ।
E	संकल्प व्यर्थ है तो,	दूसरे सब खजाने भी व्यर्थ हो जाते हैं ।

Q.5) **अनेक मत वाले सिर्फ एक बात को मान जाएं कि हम सबका बाप एक है और वही अब कार्य कर रहे हैं । चाहे वे धारण करें न करें लेकिन मान लें तो विजय अर्थात प्रत्यक्षता का झण्डा लहरा जायेगा । इसी संकल्प से मुक्तिधाम जायेगे तो जब अपना- अपना पार्ट बजाने आयेंगे तो पहले यही सस्कार होगे कि गाड इज वन ।**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.6) **लौकिक रीति से भाग्य का आधार - तन की तन्दरूस्ती, मन की खुशी, धन की समृद्धि, सम्बन्ध की सदा सन्तुष्टी और सम्पर्क में सदा सफल मूर्त होता है । तो अब संगमयुग पर श्रेष्ठ भाग्य का आधार निम्नलिखित मैचिंग एक्सरसाइज से स्पष्ट किया गया है । वाक्यों को बहुत ध्यान से अर्थ अनुसार मिलाएं और आनन्द प्राप्त करें ---**

	Choice	Match
A	सदा स्वस्थ अर्थात् सदा स्व मे स्थित रहने से,	तन का कर्मभोग भी सूली से काँटा हो जाता है
B	कर्मभोग को भी ड्रामा के अन्दर खेल समझते,	तो तन का रोग योग में परिवर्तन हो गया, इसलिए सदा स्वस्थ हो ।
C	बीमारी को समझते जैसे अनेक जन्मों का बोझ हल्का हो रहा है,	ऐसे समझने से सदा स्वस्थ समझते हो ।
D	मनमनाभव होना अर्थात्	मन में खुशियों के खजाने से सम्पन्न होना ।
E	जहाँ ज्ञान धन है वहाँ स्थूल धन की कोई कमी नही,	तो धन का भाग्य भी सदा प्राप्त है ।
F	सर्व सम्बन्ध निभाने वाले परम आत्मा को अपना बना लिया,	जब चाहो, जैसा चाहो वैसा ही सम्बन्ध का रस अनुभव कर सकते हो ।
G	संगमयुगी जीवन मे सम्पर्क भी सदा होली हंसो से है ।	सदा भाई- भाई की दृष्टि, रहम की वृत्ति रहती है तो सम्पर्क भी श्रेष्ठ है ।

Q.7) **विश्व में जीवन की श्रेष्ठता दो बातों की होती है एक सुहाग दूसरा भाग्य । आज की मुरली में बापदादा ने संसार में हद के सुहाग की कुछ विशेषताएं वर्णन की हैं, उनका चयन करें –**

- **A.** ☑ सुहागिन सदा श्रंगार की अधिकारी होती है ।
- **B.** ☑ सुहागिन सदा सुहाग के कारण अपने को सम्पन्न समझती है ।
- **C.** ☑ आजकल की दुनिया में श्रेष्ठ कार्य के निमित्त सुहागिन को ही रखते है ।
- **D.** ☑ सुहाग की निशानी तिलक और कंगन होती है ।
- **E.** ☑ सुहागवती सदा साथ के कारण स्वयं को सन्तुष्ट समझती है ।
- **F.** ☑ सुहागवती स्वयं को सदा दुनिया में श्रेष्ठ समझती है ।

Q.8) **संगमयुग पर विशेष यही चेक करना है कि सर्व प्राप्ति की है? सर्व खजाने सामने रखो, सर्व सम्बन्ध सामने रखो, सर्वगुण सामने रखो, कर्तव्य सामने रखो - सर्व बातों मे अनुभवी हुए हैं? अगर कोई भी अनुभव रह गया हो तो अब रहे हुए थोड़े समय मे सर्व बातों में स्वय को सम्पन्न बनाना चाहिए । अगर एक भी सम्बन्ध वा गुण की कमी है तो सम्पूर्ण स्टेज वा सम्पूर्ण मूर्त नहीं कहला सकते । इसलिए सबमे सम्पूर्ण बनना है ।**

- **A.** ◉ True / ये वाक्य सही है
- **B.** ○ False / ये वाक्य गलत है

Q.9) **बहुकाल से अलग हो गये तो अपने अविनाशी साथी को भी भूल गये । सुहाग खोया, तिलक को भी मिटा दिया, श्रृंगार को भी गवां दिया, खजानों से भी वंचित हो गये । सदा सुहागिन से भिखारी और वियोगी बन गये । फिर भी अमरनाथ ने आकर बहुकाल से बिछुड़ी हुई पार्वतियो को अपना स्मृति का तिलक दे सुहागिन बना दिया ।**

- **A.** ○ False
- **B.** ◉ True

Q.10) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	संगमयुगी ब्राह्मण का झूला -	अतीन्द्रिय सुख का झूला है ।
B	कभी भी देह- अभिमान में आना अर्थात्-	झूले से निकल धरनी पर पांव रखना और मैले हो जाना।
C	बाप के समान व समीप आत्मा बनने के लिए -	सदा याद और सेवा मे तत्पर रहो ।
D	ब्रह्मा बाप ने याद और सेवा के द्वारा नम्बरवन पद प्राप्त किया-	वैसे आप भी फालो कर फर्स्ट डिवीजन मे आयेगे अर्थात् राजधानी मे साथ-साथ होगे ।
E	सारे कल्प की श्रेष्ठ प्रालब्ध बनाने का आधार -	आदि से अन्त तक सर्व प्रति परोपकारी और बाल ब्रह्मचारी रहना ।